पीएचई की नाकामी, पानी देना भूला विभाग, एसडीओ दिलासा देकर लापता

खास बातें

- 25 दिन बाद भी मोतीपुर में नहीं सुधरे हालात, गर्मी से पहले आंदोलन की चेतावनी
- 7 दिन का अल्टीमेटम वरना किया जाएगा उग्र आंदोलन

नवभारत न्यूज

आनंदपुर /मोतीपुर 24 फरवरी, लटेरी तहसील मुख्यालय से महज 15-16 किलोमीटर दूर स्थित मोतीपुर ग्राम पंचायत में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है. 31 जनवरी 2025 को 'गोद लिया गांव या छोड़ दिया गया गांव' शीर्षक से खबर प्रकाशित होने के बाद ग्रामीणों को उम्मीद जगी थी कि प्रशासन अब सक्रिय होगा और समस्या का समाधान होगा.

पीएचई विभाग के एसडीओ देवी सिंह ने बातचीत में एक से डेढ़ सप्ताह के भीतर नए बोर की खुदाई और स्थायी समाधान का आश्वासन दिया था. लेकिन 25 दिन बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर कोई काम शुरू नहीं हुआ. न तो नया बोर खुदा और न ही पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की गई. गांव में एकमात्र बोरिंग से ही जैसे-तैसे पानी मिल रहा है। शाम ढलते ही महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे बर्तन-डिब्बे लेकर लाइन में लग जाते हैं. देर रात तक पानी भरने की मशक्कत चलती है। कई बार धक्का-मुक्की और विवाद की स्थिति भी बन जाती है. ग्रामीणों का कहना है कि ठंड में तो किसी तरह गुजारा हो गया, लेकिन अब गर्मी की आहट के साथ संकट और विकराल रूप ले सकता है. ग्राम के निवासी सीताराम शर्मा ने स्पष्ट कहा कि यदि प्रशासन ने शीघ्र पीने के पानी की व्यवस्था नहीं की तो ग्रामीण आंदोलन के लिए मजबूर होंगे. उनका कहना है कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, जमीनी कार्रवाई चाहिए वहीं स्थानीय निवासी सजीव कुर्मी ने बताया कि कई बार अधिकारियों को शिकायत करने के बाद भी कोई इंतजाम नहीं किए गए. यदि एक सप्ताह के भीतर पानी की व्यवस्था नहीं की गई तो ग्रामीण सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे. मामले से जनपद सीईओ उदय प्रताप सिंह को भी अवगत कराया गया था, बावजूद इसके जिम्मेदार विभागों की सुस्ती बरकरार है. ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है.अब आक्रोशित ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वे सड़क पर उतरकर धरना-प्रदर्शन और चक्काजाम करेंगे. उनका कहना है कि बार-बार आश्वासन देकर अधिकारियों ने गांव को भूल ही गया है. बड़ा सवाल यही है क्या प्रशासन आंदोलन के बाद ही जागेगा, या फिर समय रहते प्यासे मोतीपुर को राहत मिलेगी?

रेलवे स्लीपर तोड़ने का भुगतान अटका श्रमिकों ने एसपी से लगाई गुहार

नवभारत न्यूज

विदिशा 24 फरवरी रेलवे ट्रैक पर सीमेंट स्लीपर तोड़ने के कार्य का भुगतान नहीं मिलने से परेशान श्रमिकों ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर न्याय की मांग की है. आवेदक प्रकाश निवासी ग्राम छोटी पितोल, तहसील एवं जिला झाबुआ ने एसपी कार्यालय में आवेदन देकर बताया कि उन्होंने विदिशा जिले के गुलाबगंज रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक में बिछाए जाने वाले सीमेंट स्लीपर तोड़ने का कार्य लिया था. आवेदन के अनुसार यह कार्य पर्यवेक्षक योगेश निवासी लक्ष्मी नगर, कालिदास मार्ग, उज्जैन द्वारा दिलाया गया था.

उक्त कार्य गोमती ट्रेडिंग कंपनी, उज्जैन से जुड़ा बताया गया है, जिसके पर्यवेक्षण में मजदूरों से काम कराया गया. प्रकाश मोची ने बताया कि उनके द्वारा नियुक्त श्रमिकों ने निर्धारित अवधि में कुल 42,584 स्लीपर तोड़े, जिसके एवज में कुल 15 लाख 89 हजार 580 रुपये का भुगतान बनता है. शिकायत में कहा गया है कि कुल राशि में से 9 लाख 75 हजार 500 रुपये का भुगतान प्राप्त हो चुका है, जबकि शेष 6 लाख 14 हजार 080 रुपये अभी तक नहीं दिए गए हैं. आवेदक का आरोप है कि बार-बार संपर्क करने के बावजूद संबंधित पर्यवेक्षक योगेश का मोबाइल फोन बंद आ रहा है. उज्जैन स्थित निवास पर भी संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन वे नहीं मिले. प्रकाश मोची का कहना है कि उन्हें श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान करना पड़ता है, जिससे प्रतिदिन विवाद की स्थिति बन रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उसी स्थल पर अब किसी अन्य पर्यवेक्षक और मजदूर से कार्य कराया जा रहा है.आवेदक ने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर बकाया राशि दिलाने तथा संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है.

दफीना निकालने के इरादे से खोदा गया था जिंद बाबा का चबूतरा

नवभारत न्यूज

विदिशा, ग्यारसपुर अंतर्गत ग्राम ऊहर कोटरा में स्थित लगभग 200 वर्ष पुराने जिंद बाबा धार्मिक स्थल पर अवैध खुदाई किए जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है. जनसुनवाई में पहुंचकर शिकायतकर्ता द्वारका प्रसाद शर्मा ने कलेक्टर अंशुल गुप्ता को आवेदन सौंपते हुए घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की. शिकायत के अनुसार 6 फरवरीकी शाम करीब 7 बजे से रात 10 बजे के बीच कुछ लोगों ने सुनियोजित तरीके से धार्मिक स्थल के चबूतरे को जेसीबी मशीन से 10 से 15 फीट गहराई तक खोदकर क्षतिग्रस्त कर दिया. मौके पर एक जेसीबी मशीन, एक कार, तीन-चार मोटरसाइकिलें और लगभग 10 से 15 लोग मौजूद थे. ग्रामीणों का आरोप है कि यह खुदाई गड़ा धन निकालने की नीयत से की गई.द्वारका प्रसाद शर्मा ने बताया कि घटना के दौरान दो लोग मौजूद थे उन्होंने पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया है. शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर उनके पुत्र को फोन पर धमकी दी गई. कथित तौर पर कहा गया कि शिकायत एसपी से करके क्या कर लोगे इस बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी उनके पास सुरक्षित है. घटना की सूचना उसी रात डायल 112 पर दी गई थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है 9 फरवरी को एसपी कार्यालय में भी लिखित शिकायत दी गई थी. ग्रामीणों ने प्रशासन से मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल की जांच, राजस्व विभाग से भूमि की नपती, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई मांग की है.इस संबंध में एडिशनल एसपी प्रशांत चौबे ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है और थाना प्रभारी को जांच के निर्देश दिए गए हैं.

जंगली सुअरों के झुंड से खड़ी फसलें तबाह, रातभर पहरा दे रहे किसान

कटाई से पहले गेहूं-चना को नुकसान; किसानों की चिंता बढ़ी, डिप्टी रेंजर ने बताई मुआवजा प्रक्रिया

नवभारत न्यूज

सांची,क्षेत्र में इन दिनों जंगली सुअरों के झुंड किसानों की खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं.गेहूं और चने की फसल अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, ऐसे समय में हो रहे नुकसान से किसान चिंतित हैं.किसानों का कहना है कि रात के समय बड़ी संख्या में खेतों में घुसने वाले सुअर फसलों को रौंद देते हैं.कई खेतों में स्थिति ऐसी हो गई है मानो बुआई ही न की गई हो.

किसान कमलकिशोर पटेल ने बताया कि जंगली सुअरों के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है.किसान संजीत वर्मा ने कहा कि बाड़ लगाने के बावजूद सुअर उसे तोड़कर खेतों में प्रवेश कर जाते हैं.वहीं जीवन सिंह राजपूत के अनुसार दिन में आवारा पशुओं और रात में जंगली जानवरों से फसल बचाना बड़ी चुनौती बन गया है.खेती पहले ही मौसम की मार और बढ़ती लागत से प्रभावित है.ऐसे में फसल पकने से पहले नुकसान होना किसानों के लिए आर्थिक संकट खड़ा कर देता है.इस संबंध में सलामतपुर के डिप्टी रेंजर सरजन सिंह मीणा ने बताया कि वन्य प्राणियों की सूचना मिलने पर विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर उन्हें खदेड़ने की कार्रवाई करती है. उन्होंने कहा कि यदि किसी किसान की फसल वन्य प्राणियों से नष्ट होती है तो किसान संबंधित तहसीलदार को सूचना देकर नियमानुसार जांच उपरांत मुआवजा प्राप्त कर सकता है.किसानों ने फसल सुरक्षा के लिए स्थायी उपाय किए जाने की मांग की है.कटाई की दहलीज पर खड़ी फसल को बचाना अब किसानों के लिए संघर्ष बनता जा रहा है.

आनंदपुर आयुर्वेदिक अस्पताल में मां बैठक का आयोजन

नवभारत न्यूज

आनंदपुर, ग्राम आनंदपुर स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में मां बैठक का आयोजन किया गया.कार्यक्रम में मौसमी बीमारियों, विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं तथा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की देखभाल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई. बैठक में राकेश सेन द्वारा उपस्थित महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं. उन्होंने बताया कि बदलते मौसम में बीमारियों से बचाव के लिए स्वच्छता, संतुलित आहार एवं समय पर जांच आवश्यक है. साथ ही हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच और चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई. इस अवसर पर एएनएम श्रीमती सुनीता देवी, आशा सुपरवाइजर श्रीमती राजबाला बघेल, आशा कार्यकर्ता श्रीमती ओमवती राव, श्रीमती सीमा कुशवाहा एवं श्रीमती सुमन अहिरवार उपस्थित रहीं.

कलेक्टर ने किया यशोदा एडॉप्शन सेंटर का निरीक्षण

- अब तक 31 बच्चों को मिला नया परिवार

नवभारत न्यूज

विदिशा,जिले में वर्ष 2012 से संचालित यशोदा एडॉप्शन सेंटर (शिशु गृह) का कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया. इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा, संतोष रघुवंशी एवं संस्था प्रबंधक शुभम गुप्ता उपस्थित रहे.

निरीक्षण के समय शिशु गृह में 4 बच्चे निवासरत पाए गए. कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय बातचीत कर उनके भोजन और दैनिक दिनचर्या की जानकारी ली.बच्चों ने बताया कि उन्होंने नाश्ते में खिचड़ी, दूध और टोस्ट लिया है. कलेक्टर ने भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए. कलेक्टर श्री गुप्ता ने संस्था प्रबंधन को निर्देशित किया कि सभी बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजा जाए तथा उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए.उन्होंने कहा कि बच्चों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है.उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 से संचालित इस केंद्र से अब तक 31 बच्चों को दत्तक ग्रहण के माध्यम से नया परिवार मिल चुका है.इनमें से 26 बच्चों को भारत में तथा 5 बच्चों को विदेशों में रहने वाले परिवारों ने अपनाया है.

मामले ने पकड़ा तूल, दोनों पक्ष हुए आमने-सामने, की जा रहीं शिकायतें

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के साथ दुर्व्यवहार पर अजाक ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

विदिशा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ जिला शाखा विदिशा ने मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. नत्थी अहिरवार के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है.

संघ ने मामले में दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है. ज्ञापन के अनुसार 16 फरवरी 2026 को ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. नत्थी अहिरवार द्वारा फील्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही थी. इसी दौरान जनपद उपाध्यक्ष ग्यारसपुर प्रीति शंकरदयाल शर्मा अपने कुछ समर्थकों के साथ वहां पहुंचीं. एक मरीज को लेकर हुई कहासुनी के बाद मामला बढ़ गया. आरोप है कि जनप्रतिनिधि ने बैठक के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के समक्ष डॉ. अहिरवार को फटकार लगाई. संघ का कहना है कि साथ आए कुछ लोगों ने प्रसव कक्ष, आपातकालीन वार्ड जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में बिना अनुमति वीडियो ग्राफी शुरू कर दी. रोकने पर कर्मचारियों एवं बीएमओ के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया. ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अनुसूचित जाति वर्ग की महिला अधिकारी का सार्वजनिक रूप से अपमान किया गया तथा उन्हें पद से हटाने की धमकी दी गई.अजाक्स के जिला अध्यक्ष एलोरीन बंसकार ने कहा कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में वीडियो बनाना महिलाओं की निजता का उल्लंघन है और यह गंभीर विषय है. संघ ने मांग की है कि डॉ. नत्थी अहिरवार के साथ अपमानजनक व्यवहार करने तथा बिना अनुमति वीडियो ग्राफी करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए. मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर जांच की संभावना जताई जा रही है.

आगामी त्यौहारों को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

नवभारत न्यूज

नटेरन,थाना नटेरन में आगामी त्योहारों के मद्देनजर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया.

बैठक में नायब तहसीलदार पीयूष जैन, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी, थाना क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचगण, नगर रक्षा समिति के जिला संयोजक वीरेंद्र धाकड़, गणमान्य नागरिक एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे.बैठक के दौरान आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई.प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, भड़काऊ संदेश या सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी. सभी से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें.नायब तहसीलदार ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य सभी समुदायों के सहयोग से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना है.जनप्रतिनिधियों एवं सरपंचों ने भी आश्वासन दिया कि वे अपने-अपने ग्रामों में शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेंगे.थाना प्रभारी द्वारा बैठक में उपस्थित लोगों को कानून व्यवस्था संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा त्योहारों के दौरान जुलूस, आयोजन और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के संबंध में शासन के निर्देशों का पालन करने की बात कही गई.बैठक का समापन आपसी सहयोग, समन्वय और शांति बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ.

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250
मोबाइल के प्ले स्टोर पर
Vikas Pachori Radio
टाइप करके इंस्टॉल कीजिए
और लगातार 24 घण्टे
आनंद लीजिए.

मांगें नहीं मानीं तो 2 मार्च से थम जाएंगे बसों के पहिए

नई बस संचालन नीति के विरोध में 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन, विदिशा मप्र ने प्रदेश में स्टेज कैरिज बसों के संचालन को लेकर लागू की जा रही नई नीति के विरोध में 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है.

इस संबंध में एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश कुमार सिंघल ने मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन दिया है जिसमें उल्लेख किया गया है कि 22 फरवरी को सागर में प्रदेशभर के बस मालिकों और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी. बैठक में नई बस संचालन नीति को दमनकारी बताते हुए इसका विरोध करने का निर्णय लिया गया. बस ऑपरेटरों का कहना है कि प्रस्तावित बदलावों से उनका व्यवसाय प्रभावित होगा और आर्थिक संकट की स्थिति निर्मित हो सकती है. एसोसिएशन ने अपनी तीन प्रमुख मांगें रखी हैं.पहली, 24 दिसंबर 2025 को राजपत्र में प्रकाशित संशोधन प्रारूप को वापस लिया जाए. दूसरी, 29 जनवरी 2026 को राजपत्र में प्रकाशित संशोधन को पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए. तीसरी, वर्तमान में लागू बस संचालन व्यवस्था को यथावत रखा जाए. बस संचालकों का कहना है कि वे पूर्व में भी कई बार संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रख चुके हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है. उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 2 मार्च से प्रदेशभर की यात्री बसें बंद कर दी जाएंगी. एसोसिएशन ने यह भी कहा है कि हड़ताल से आम जनता को होने वाली असुविधा की जिम्मेदारी शासन की होगी.

सार्वजनिक सुनवाई में अवैध विवाह परिसर की शिकायत

नवभारत न्यूज

विदिशा, शहर के विवेकानंद चौक के निकट स्थित वृंदावन नगर कॉलोनी में संचालित एक कथित अवैध विवाह परिसर को लेकर कॉलोनीवासियों ने कलेक्टर से सार्वजनिक सुनवाई में शिकायत दर्ज कराई है. आवेदन में बताया गया कि कॉलोनी टीएनसीपी समर्थित एवं आरईआरए से अनुमोदित आवासीय क्षेत्र है, लेकिन यहां मूलभूत सुविधाएं अब तक पूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं हैं. इसके बावजूद कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर रिहायशी मकानों के सामने विवाह समारोह आयोजित किए जा रहे हैं. निवासियों का आरोप है कि कॉलोनी के डेवपर्स द्वारा मुख्य सड़क पर विवाह परिसर बनाकर सार्वजनिक कार्यक्रमों की बुकिंग की जा रही है.देर रात तक तेज आवाज में डीजे और ढोल बजने से रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. वर्तमान में बच्चों की बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, ऐसे में शोर-शराबे से पढ़ाई प्रभावित हो रही है. शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि विवाह परिसर में वाहनों की पार्किंग की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है. कार्यक्रमों में आने वाले लोग अपने वाहन घरों के सामने खड़े कर देते हैं, जिससे पूरी कॉलोनी के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं और आवागमन में दिक्कत होती है. रहवासियों ने आरोप लगाया कि इस संबंध में आयोजकों और डेवलपर से बात करने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला.कॉलोनीवासियों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी बड़ा विवाद उत्पन्न हो सकता है. उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की जांच की जाए.

क्रिकेट | **23वीं श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का पहला सेमीफाइनल मैच**

एलएनसीटी भोपाल ने ओरियंटल कॉलेज को हराया, फाइनल में बनाई जगह

नवभारत न्यूज

विदिशा , सम्राट अषोक अभियांत्रिकीय संस्थान में आयोजित 23वीं श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 के सातवें दिन एल.एन.सी.टी. कॉलेज भोपाल विरूद्ध ओरियंटल कॉलेज भोपाल के मध्य पहला सेमीफायनल मैच खेला गया.एल.एन.सी.टी. कॉलेज भोपाल ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। एल.एन.सी.टी. कॉलेज भोपाल ने पहले खेलते हुये निर्धारित 20 ओवर्स में पाँच विकेट खोकर 188 रन बनाये, एल.एन.सी.टी. कॉलेज भोपाल के बल्लेबाज अभिनीत गौर ने 5 चैके 04 छक्कों की मदद से 45 गेंदों पर 62 रनों की शानदार पारी खेली वहीं उनका साथ देते हुए कप्तान ललित वर्मा ने 22 गेंदों पर 36 रन बनाये इस पारी में उन्होने 5 चैके और 1 छक्का लगाया.ओरियंटल कॉलेज भोपाल के गेंदबाज प्रषांत बोपचे ने 4 ओवर्स में 25 रन देकर 3 विकेट हासिल किये.जबाब में खेलते हुए ओरियंटल कॉलेज भोपाल ने 20 ओवर में 172 रन बनाये.प्रियांषु आचार्य ने 54 गेंदों में नाबाद 58 रन बनाये इस पारी में उन्होंने 5 चैके लगाये, वहीं उनका साथ देते हुये प्रषांत बोपचे ने 23 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाये इस पारी में उन्होंने 5 चैके और 1 छक्का लगाया. एल.एन.सी.टी. कॉलेज भोपाल के गेंदबाज योगेष पालीवाल ने 4 ओवर्स में 29 रन देकर 1 विकेट हासिल किये. मैच के समापन पर संस्था के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजीव जैन ने मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार एल.एन.सी.टी. कॉलेज भोपाल के अभिनीत गौर को दिया. संस्था के प्राध्यापक खेल प्रभारी डॉ आंनद चन्द्रवंशी ने बताया कि 25 फरवरी को एस.एटीआई विदिशा और यू.आई.टी., आरजीपीव्ही भोपाल के मध्य दूसरा सेमीफायनल खेला जायेगा और 26 को फायनल मैच खेला जाना है.

आपदा में धैर्य, साहस और त्वरित निर्णय क्षमता ही वास्तविक नेतृत्व की पहचान

नवभारत न्यूज

विदिशा, मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में युवा आपदा मित्र योजना अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स का सात दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी में संपन्न हुआ. प्रशिक्षण में कुल 424 एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की. समापन समारोह में 14वीं एनसीसी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर विकास गुप्ता तथा प्लाटून कमांडर होमगार्ड रश्मि दुबे विशेष रूप से उपस्थित रहे.उन्होंने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा के समय धैर्य, साहस और त्वरित निर्णय क्षमता ही वास्तविक नेतृत्व की पहचान होती है.

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सीखे गए कौशल का उपयोग समाज की सेवा में करें. कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए. प्रशिक्षण के दौरान राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) की टीम द्वारा कैडेट्स को विभिन्न आपदाओं से बचाव एवं राहत कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया. इसमें बाढ़, भूकंप, सुनामी, लू, शीत लहर और अग्निकांड जैसी परिस्थितियों में बचाव के तरीके सिखाए गए. साथ ही घरेलू वस्तुओं से अस्थायी बचाव उपकरण तैयार करने, रस्सी (कैमलांग तकनीक) के माध्यम से ऊंची इमारत से पीड़ित को सुरक्षित उतारने की विधि का प्रदर्शन किया गया.विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार एवं घायलों की देखभाल, सर्प मित्र द्वारा सर्पदंश से बचाव और उपचार, तथा एनडीआरएफ विशेषज्ञों द्वारा सीबीआरएन आपदाओं से निपटने संबंधी जानकारी दी गई. इसके अतिरिक्त सीपीआर का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया. एसडीईआरएफ टीम में सौरभ पचौरी, देवेंद्र सिंह, संदीप राजपूत, विजय कुशवाह, रामबाबू, राहुल वैष्णव, कमल वर्मा, ऋषभ, प्रेम नारायण और राजेश आहिरवार सहित अन्य सदस्य शामिल रहे. प्रशिक्षण के सफल आयोजन से युवाओं में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ा है.